

स्वच्छता ही सेवा 2025 अंतिम प्रतिवेदन

भा.प्र.सं विशाखपट्टणम

स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के अंतर्गत, इस संस्थान ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों का विवरण निम्नलिखित है: -

1. स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के अंतर्गत, 17 सितंबर 2025 को एक स्वच्छता प्रतिज्ञा समारोह आयोजित किया गया। लगभग 50 छात्र, कर्मचारी और संकाय सदस्य ने स्वच्छता और सतत जीवन शैली के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आधिकारिक स्वच्छता प्रतिज्ञा लेकर संकल्पित किया।

इस प्रतिज्ञा ने व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से स्वच्छता बनाए रखने, स्वास्थ्यवर्धक आदतों को अपनाने, और स्वच्छ भारत के लक्ष्य में सक्रिय योगदान देने की प्रतिबद्धता को औपचारिक रूप से दर्शाया। प्रतिज्ञा लेने वाले प्रतिभागियों ने व्यक्तिगत और सामुदायिक स्वच्छता बनाए रखने, कचरा फैलाने से बचने, और उचित कचरा प्रबंधन एवं सतत प्रथाओं को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया।



2. समुद्र तट स्वच्छता गतिविधि : स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के अंतर्गत, संस्थान ने 19 सितंबर 2025 को एक समुद्र तट स्वच्छता गतिविधि आयोजित की। इस पहल में 40 प्रतिभागियों, जिनमें छात्र, कर्मचारी और संकाय सदस्य शामिल थे, ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरणीय जागरूकता को बढ़ावा देना, स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना, और स्वच्छ भारत के राष्ट्रीय मिशन में योगदान देना था। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक तटवर्ती क्षेत्र की सफाई की, प्लास्टिक कचरा और अन्य कचरे को इकट्ठा किया, जिससे स्थानीय पर्यावरण पर ठोस प्रभाव पड़ा।

सफाई गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेकर, इस कार्यक्रम ने स्थानीय निवासियों और समुद्र तट पर आने वालों में सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाई। यह जिम्मेदार नागरिकता का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करता है और प्लास्टिक के उपयोग और कचरा फैलाने की आदत को कम करने की आवश्यकता को उजागर करता है। इसके अलावा, इस गतिविधि में शामिल छात्रों ने समुद्री प्रदूषण और कचरा प्रबंधन जैसे पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। यह अनुभव कक्षा के अध्ययन से परे जाकर सततता और नागरिक कर्तव्य की गहरी समझ विकसित करता है।



3. स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों का रूपांतरण: स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के अंतर्गत, गम्भीरम गांव स्वास्थ्य केंद्र को स्वच्छता लक्ष्य इकाई (CTU) के रूप में चुना गया। प्रमुख सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में बदलने के उद्देश्य के अनुरूप, 21 सितंबर 2025 को यहां एक स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया।

इस पहल में कुल 40 छात्र और कर्मचारी सक्रिय रूप से शामिल हुए। टीम ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया, जैसे कि परिसर की सफाई, कचरे और मलबे को हटाना, और स्थानीय लोगों में स्वच्छता और स्वास्थ्य जागरूकता फैलाना।

स्वास्थ्य केंद्र समुदाय स्वास्थ्य सेवाओं के महत्वपूर्ण केंद्र होते हैं। गांव स्वास्थ्य केंद्र की स्वच्छता सुनिश्चित करके, यह पहल सीधे स्थानीय क्षेत्र के रोगियों और चिकित्सा कर्मचारियों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण प्रदान करती है। यह केंद्र अब समुदाय-संचालित प्रयासों से सार्वजनिक सेवा अवसंरचना में ठोस सुधार का उदाहरण बन चुका है।

इस पहल के माध्यम से, संस्थान ने न केवल स्वच्छ भारत मिशन का समर्थन किया है, बल्कि सामुदायिक स्वास्थ्य मानकों को सुधारने और जिम्मेदारी और देखभाल की संस्कृति विकसित करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।



4. एक दिन, एक घंटा, एक साथ: स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के अंतर्गत और “एक दिन, एक घंटा, एक साथ” के बैनर तले, 25 सितंबर 2025 को सरकारी उच्च विद्यालय, बय्यापालम में एक स्वयंसेवी श्रमदान गतिविधि आयोजित की गई। इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देना और नागरिकों को अपने आस-पास की सफाई में कम से कम एक घंटा समर्पित करने के लिए प्रेरित करना था।

इस कार्यक्रम में कुल 55 छात्र, कर्मचारी और संकाय सदस्य उत्साहपूर्वक शामिल हुए। टीम ने विद्यालय परिसर की सफाई में भाग लिया, जिसमें पथों को झाड़ू लगाना, कचरा साफ करना, जंगली पौधों को हटाना, और संग्रहीत कचरे का पर्यावरण के अनुकूल निपटान शामिल था।

स्वच्छ विद्यालय वातावरण छात्रों के लिए बेहतर स्वास्थ्य, ध्यान और मनोबल में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इस पहल ने सरकारी उच्च विद्यालय के छात्रों के लिए एक स्वच्छ, सुरक्षित और स्वागतयोग्य स्थान तैयार किया। छात्रों के साथ संकाय और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी ने एकता और प्रतिबद्धता का मजबूत उदाहरण पेश किया, जिससे स्थानीय समुदाय और विद्यालय प्रशासन नियमित रूप से स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित हुए।



5. सफाई मित्र सुरक्षा शिविर: स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के अंतर्गत, 29 सितंबर 2025 को एक सफाई मित्र सुरक्षा शिविर (स्वच्छता कार्यकर्ताओं और सहायक कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य एवं सुरक्षा शिविर) आयोजित किया गया। यह शिविर प्रसिद्ध कॉर्पोरेट अस्पतालों के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य जनस्वच्छता और स्वास्थ्य बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले व्यक्तियों के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देना था।

इस निवारक स्वास्थ्य जांच शिविर में निम्नलिखित महत्वपूर्ण परीक्षण सेवाएं प्रदान की गईं:

- रक्तचाप (BP) मापन
- रक्त शर्करा परीक्षण
- नेत्र परीक्षण
- दंत जांच
- इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ECG)

कुल 125 व्यक्तियों ने शिविर में उपलब्ध सेवाओं का लाभ लिया। प्रतिभागियों में स्वच्छता कर्मचारी, सहायक कर्मचारी और अन्य समुदाय के सदस्य शामिल थे।

इस शिविर ने विशेष रूप से उन लोगों पर ध्यान केंद्रित किया जो अक्सर सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयासों में नजरअंदाज रह जाते हैं — स्वच्छता और सहायक कर्मचारी। सुलभ स्वास्थ्य जांच प्रदान करके, इस पहल ने उनके समाज में महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता दी और उनका समर्थन किया।



6. पुनः उपयोग योग्य कॉटन बैग वितरण: स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के उद्देश्य और प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के व्यापक लक्ष्य के अनुरूप, संस्थान ने **1 अक्टूबर 2025** को पुनः उपयोग योग्य कॉटन बैग वितरण अभियान आयोजित किया। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा देना और एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक से दूर जाने के लिए प्रोत्साहित करना था।

सुरक्षा और हाउसकीपिंग स्टाफ को पुनः उपयोग योग्य कॉटन बैग वितरित किए गए, जो परिसर की सफाई और संचालन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह कदम प्रतीकात्मक और व्यावहारिक दोनों था, जिसने उनके योगदान को मान्यता दी और उन्हें सतत प्रथाओं में शामिल किया।

पुनः उपयोग योग्य विकल्पों को बढ़ावा देकर, यह पहल प्लास्टिक कचरे के पर्यावरणीय भार को कम करने में योगदान देती है, विशेषकर परिसर और उसके आसपास के क्षेत्र में। वितरण अभियान ने एक जागरूकता अभियान के रूप में भी काम किया, जिससे परिसर के अन्य लोगों को दैनिक जीवन में पर्यावरण-अनुकूल आदतें अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

